❁ 10 सितम्बर 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ❁

✺ ज्ञान-

1] तुम ही अपने तन-मन-धन से खर्चा कर अपने लिए राजधानी स्थापन करते हो। जो करेगा वह पायेगा। जो नहीं करते वह पायेंगे भी नहीं। कल्प-कल्प तुम ही करते हो। तुम ही निश्चय बुद्धि होते हो। तुम समझते हो कि बाप, बाप भी है, टीचर भी है, गीता का ज्ञान भी यथार्थ रीति सुनाते हैं।

2] अभी तुम्हारी प्रदर्शनी आदि देखकर वह जो बातें बुद्धि में बैठी हुई हैं, वह दूर होती हैं। बाकी बाबा जो ओपीनियन चाहते हैं, वह कोई नहीं लिखते। बाबा को वह ओपीनियन चाहिए। यह लिखें कि गीता का भगवान कृष्ण नहीं है। सारी दुनिया समझती है कृष्ण भगवानुवाच। परन्तु कृष्ण तो पूरे 84 जन्म लेते हैं। शिवबाबा है पुनर्जन्म रहित। तो इसमें बहुतों की ओपीनियन चाहिए। गीता सुनने वाले तो ढेर के ढेर हैं फिर देखेंगे यह तो अखबार में भी निकल पड़ा है गीता भगवान परमपिता परमात्मा शिव है। वही बाप, टीचर, सर्व का सद्गति दाता है। शान्ति और सुख का वर्सा सिर्फ उनसे मिलता है। बाकी अभी तुम मेहनत करते हो, उद्घाटन कराते हो, सिर्फ मनुष्यों की भ्रान्तियां दूर होती हैं, समझानी अच्छी मिलती है। बाकी बाबा जैसे कहते हैं वह ओपीनियन लिखें। मुख्य ओपीनियन है यह। बाकी सिर्फ राय देते हैं– यह संस्था बहुत अच्छी है। इससे क्या होगा।

3] बाप भी गुप्त है, नॉलेज भी गुप्त है, तुम्हारा पुरूषार्थ भी गुप्त है, इसलिए बाबा गीत-कविताएं आदि भी पसन्द नहीं करते हैं। वह है भक्ति मार्ग।

4] बाप कहते हैं काम महाशत्रु है, उनको जीतने से ही तुम जगतजीत बनेंगे। यह राजयोग बाप सिखलाते हैं, जिससे हम यह पद पाते हैं। बोलो, हमको स्वप्न में भगवान कहते हैं पावन बनो तो स्वर्ग की राजाई मिलेगी। तो अब मैं एक जन्म अपवित्र बन अपनी राजाई गँवाऊंगी थोड़ेही। इस पवित्रता की बात पर ही झगड़ा चलता है।

5] कई बच्चे सोचते हैं यह झमेला पूरा होगा तो हमारी अवस्था वा सेवा अच्छी हो जायेगी लेकिन झमेले पहाड़ के समान हैं। पहाड़ नहीं हटेगा, लेकिन जहाँ झमेला हो वहाँ अपने मन-बुद्धि को किनारे कर लो या उड़ती कला से झमेले के पहाड़ के भीऊपर चले जाओ तो पहाड़ भी आपको सहज अनुभव होगा। झमेलों की दुनिया में झमेले तो आयेंगे ही, आप मुक्त रहो तो मिलन मेला मना सकेंगे।

✺ योग-

1] यहाँ तो चुप रहना है, शान्ति से चलते-फिरते बाप को याद करना है और सृष्टि चक्र बुद्धि में फिराना है।

2] तुम आत्मा को पवित्र बनाने के लिए बाप से योग लगाते हो। बाप खुद कहते हैं– बच्चे, देह सहित दे के सब सम्बन्ध छोड़ो। बाप नई दुनिया तैयार कर रहे हैं, उनको याद करो तो तुम्हारे पाप कट जाएं। अरे, बाप जो तुमको विश्व की बादशाही देते हैं, ऐसे बाप को तुम भूल कैसे जाते हो !

3] बच्चे कहते हैं– बाबा, याद कैसे करें? अरे, अपने को आत्मा तो समझते हो ना। आत्मा कितनी छोटी बिन्दी है तो उनका बाप भी उतना छोटा होगा। वह पुनर्जन्म में नहीं आता है। यह बुद्धि में ज्ञान है। बाप याद क्यों नहीं आयेगा। चलते-फिरते बाप को याद करो। अच्छा, बड़ा रूप ही समझो बाप का। परन्तु याद तो एक को करो ना, तो तुम्हारे पाप कट जाएं। और तो कोई उपाय है नहीं। जो समझते हैं वह कहते हैं बाबा आपकी याद से हम पावन बन पावन दुनिया, विश्व के मालिक बनते हैं तो हम क्यों नहीं याद करेंगे। एक-दो को भी याद दिलाना है तो पाप कट जाएं।

...2

❁ 10 सितम्बर 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ❁

[2]

✺ धारणा-

1] वह कहते हैं– बच्चे, यह अन्तिम जन्म सिर्फ पवित्र बनो।

2] बाप नई दुनिया स्वर्ग स्थापन कर रहे हैं इसलिए अब इस पुरानी दुनिया को देखते हुए भी नहीं देखो। ममत्व नई दुनिया में रहे। इस पुरानी दुनिया से वैराग्य।

3] अब बेहद का बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझो। देह सहित देह के सब सम्बन्ध छोड़ो।

✺ सेवा-

1] मीठे बच्चे– जैसे तुम्हें निश्चय है कि ईश्वर सर्वव्यापी नहीं, वह हमारा बाप है, ऐसे दूसरों को समझाकर निश्चय कराओ फिर उनसे ओपीनियन लो।

2] ईश्वर तो बाप, टीचर, गुरू है। एक तो मुख्य बात है यह, दूसरा फिर ओपीनियन चाहिए कि इस समझानी से हम समझते हैं गीता का भगवान कृष्ण नहीं है। भगवान कोई मनुष्य या देवता को नहीं कहा जाता है। भगवान एक है, वह बाप है। उस बाप से ही शान्ति और सुख का वर्सा मिलता है। ऐसी-ऐसी ओपीनियन लेना है। अभी जो तुम ओपीनियन लेते हो वह कोई काम की नहीं लिखते हैं। हाँ, इतना लिखते हैं कि यहाँ शिक्षा बहुत अच्छी देते हैं। बाकी मुख्य बात जिसमें ही तुम्हारी विजय होनी है, वह लिखाओ कि यह ब्रह्माकुमारीयां सत्य कहती हैं कि ईश्वर सर्वव्यापी नहीं है। वह तो बाप है, वही गीता का भगवान है। बाप आकर भक्ति मार्ग से छुड़ाए ज्ञान देते हैं। यह भी ओपीनियन जरूरी है कि पतित-पावनी पानी की गंगा नहीं, परन्तु एक बाप है। ऐसी-ऐसी ओपीनियन जब लिखें तब ही तुम्हारी विजय हो।

3] बाकी मुख्य बात है ओपीनियन लिखा लो ईश्वर सर्वव्यापी नहीं है। उसने तो आकर राजयोग सिखाया है। पतित-पावन भी बाप है।